मसान होली

[स्रोत: द हिंदू](#)

मसान होली वाराणसी में मनाया जाने वाला दो दिवसीय विशेष कार्यक्रम है। इस उत्सव के दौरान लोग एक-दूसरे पर चिता की राख और गुलाल लगाते हैं। इस आयोजन को **मरण का उत्सव मनाने** के रूप में भी जाना जाता है।

- इस उत्सव के दौरान कई लोग नदी के किनारे अथवा घाट पर बड़ी संख्या में एकजुट होते हैं। वे नाचते हैं, गाते हैं और "हर-हर महादेव" का जाप करते हैं।
- **उत्पत्ति:** वाराणसी में मसान होली की रस्म **होलिका-प्रहलाद की पौराणिक घटना की स्मृति में** चिता की राख का उपयोग कर **मनाई जाती है।**

महत्त्व:

- वाराणसी की **मसान होली** में चिता की राख का उपयोग **जीवन की अल्पता** और इस **भौतिकवादी दुनिया में मनुष्य के अस्तित्व** की चक्रीय प्रकृति **का प्रतीक है।**
- ऐसा माना जाता है कि **मसान होली में इस्तेमाल की जाने वाली राख में शुद्धिकरण गुण** होते हैं जो शरीर, मन और आत्मा की अशुद्धियों को दूर करते हैं।
- होली के दौरान एक-दूसरे को राख लगाकर, **लोग आध्यात्मिक कायाकल्प और आंतरिक शुद्धि की कामना करते हैं।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/masaan-holi